Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ________________________

   (Name) ________________________

2. (Signature) ________________________

   (Name) ________________________

Answer Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ________________________

(In words)

Test Booklet No.

D—9105

PAPER—II

PRAKRIT

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **8** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Serial No. of the booklet should be entered in the Answer-sheets and the Serial No. of Answer Sheet should be entered on this Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ⬤ (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या उत्तर-पत्रक पर अंकित करें और उत्तर-पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ⬤ (D)

   जबकि (C) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PRAKRIT

प्राकृत

PAPER – II

प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. Earliest Prakrit words are available in this Sanskrit literature :
प्राकृत के प्रारम्भिक शब्द संस्कृत के इस साहित्य में उपलब्ध है :
(A) छान्दस (B) धर्मसूत्र (C) काव्य (D) उपनिषद्

2. This is the Ārsa Prakrit :
यह आर्ष प्राकृत है :
(A) अर्धमागधी (B) शिलालेखी (C) निया प्राकृत (D) महाराष्ट्री

3. The Niya Prakrit is found in the following Text :
निया प्राकृत इस ग्रन्थ की भाषा मानी जाती है :
(A) दीघनिकाय (B) आयारंग (C) प्राकृत धम्मपद (D) इतिकत्तक

4. 'Apabhraṁsha' is considered as a language of this developmental stage of Prakrit :
'अपभ्रंश' प्राकृत के विकास के इस युग की भाषा मानी जाती है :
(A) प्रथमयुगीन प्राकृत (B) मध्ययुगीन प्राकृत (C) तृतीययुगीन प्राकृत (D) आधुनिकयुगीन

5. The nominative case ending of 'अप्पाण' (masculine gender) is :
'अप्पाण' (पुल्लिंग) की प्रथमा विभक्ति यह है :
(A) अप्पाणो (B) अप्पणा (C) अप्पाणं (D) अप्पाणादो

6. This group has all saṭṭakas :
इस वर्ग में सभी सट्टक हैं :
(A) वज्जालग्गं, चंदलेहा (B) वज्जालग्गं, आनंदसुंदरी
(C) वज्जालग्गं, आनंदसुंदरी, चंदलेहा (D) कर्पूरमंजरी, चंदलेहा, आनंदसुंदरी

7. Pāli is included into following group of Middle Indo Aryan languages :
पालि भाषा को इस युग की प्राकृत भाषा में सम्मिलित किया जाता है :

(A) द्वितीय स्तरीय प्रथम युगीन प्राकृत (B) शिलालेखी प्राकृत
(C) द्वितीय स्तरीय द्वितीय युगीन प्राकृत (D) द्वितीय स्तरीय तृतीय युगीन प्राकृत

8. Ukāra is excessively used in this language :
उकारबहुला भाषा का यह नाम है :

(A) शौरसेनी (B) अर्धमागधी (C) अपभ्रंश (D) महाराष्ट्री

9. Dhakkī dielect is a sub-dielect of this Prakrit :
ढक्की बोली इस प्राकृत का एक उपभेद है :

(A) शौरसेनी (B) अर्धमागधी (C) महाराष्ट्री (D) मागधी

10. This is the work, which represents paiśācī prākrit :
यह पैशाची प्राकृत का प्रतिनिधि ग्रन्थ है :

(A) बृहत्कथा (B) गाहासत्तसई (C) धवला टीका (D) जीवाभिगम

11. Correct match of the following writer and his work is :
निम्न ग्रन्थकार और उसके ग्रन्थ का सही मिलान यह है :

(a)	गुणधर	(i)	धवला टीका
(b)	वीरसेन	(ii)	कसायपाहुड
(c)	कुन्दकुन्द	(iii)	भगवती आराधना
(d)	शिवार्य	(iv)	समयसार

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

12. Ardhamāgadhī Āgama literature is complied and written by :
अर्धमागधी आगम साहित्य को इन्होंने संकलितकर लिपिबद्ध किया :

(A) पुष्पदन्त (B) शय्यंभव (C) देवर्द्धिगणि क्षमाश्रमण (D) सिद्धसेन दिवाकर

13. Dasaveyāliya is composed by :
दसवेयालिय का रचयिता है :

(A) कोई नहीं (B) शय्यंभव (C) कुन्दकुन्द (D) भद्रबाहु

14. Satkhaṇḍāgama deals with :
षट्खण्डागम इस विषय का वर्णन करता है :

(A) आचार (B) ज्ञान (C) कर्म (D) लोक

15. सुत्तं गणहरकहियं तहेव पत्तेयबुद्धकहियं च।
सुदकेवलिणा कहियं अभिण्णदसपुव्वहियं च।।
What is defined in this verse ?
इस पद्य में इसका लक्षण वर्णित है :
(A) छन्दलक्षण (B) सूत्रलक्षण (C) गणधरलक्षण (D) प्रत्येक बुद्धलक्षण

16. Setubandha is composed in the following Prākrit :
सेतुबन्ध इस प्राकृत में लिखा गया है :
(A) शौरसेनी (B) महाराष्ट्री (C) अर्धमागधी (D) पैशाची

17. Vākpatirāja made the Hero to the following King in his epic :
वाक्पतिराज ने इस राजा को अपने महाकाव्य का नायक बनाया :
(A) यशोवर्मा (B) प्रवरसेन (C) कुमारपाल (D) सातवाहन

18. The first Carita Mahākāvya of Prākrit language is :
प्राकृत का प्रथम चरित महाकाव्य यह है :
(A) महावीरचरियं (B) सुंदसणाचरियं (C) पउमचरियं (D) सिरिपासनाहचरियं

19. This group represents Prākrit Kathās :
इस वर्ग में प्राकृत कथाएँ है :
(A) षड्भाषाचन्द्रिका, वसुदेवहिण्डी, सावयधम्मदोहा
(B) समराइच्चकहा, वसुदेवहिण्डी, परमप्पपयास
(C) वसुदेवहिंडी, षड्भाषाचन्द्रिका, द्रव्यसंग्रह
(D) तरंगवती, वसुदेवहिण्डी, समराइच्चकहा

20. The subject matter of the Vasudevahiṇḍī is :
वसुदेवहिण्डी की विषय-वस्तु यह है :
(A) आचार (B) नीति (C) इतिहास (D) भ्रमणवृत्तान्त

21. The definition of Saṭṭaka is :
सट्टक की परिभाषा है :
(A) नृत्ययुक्त नाटकीय प्रदर्शन (B) प्रेम-सिक्त प्रदर्शन
(C) इतिहास मिश्रित कथन (D) चरित्र प्रधान विवेचन

22. Śṛngāramañjārī is composed by :
शृंगारमंजरी के रचयिता है :
(A) राजशेखर (B) विश्वेश्वर (C) नयचन्द्र (D) रुद्रदास

23. The number of Aṅkas in the Karpūramañjarī are :
कर्पूरमंजरी में इतने अंक है :
(A) दो (B) छह (C) आठ (D) चार

24. ṛ is changed in i by 'इदृष्यादिषु' Sūtra in this word :
इसमें 'इदृष्यादिषु' सूत्र से ऋ को इ हुआ है :
(A) पुहवी (B) रिणं (C) इसी (D) रूक्खो

25. Name of the Prākrit used in the following prose :
अधोलिखित गद्यांश में प्रयुक्त भाषा को पहचानिए :
अत्थं असादिदो भअवं सुप्पो दीसइ
दहिपिंडपंडरेसु पासादेसु अ अग्गा-
पणलिन्देसु पसारिअगुलमदुरसंगदो
विअ। गणिआजणो णाअरिजणोअ
अण्णोण्ण विसेदमंडिदा अत्ताणं दंस इदुकामा
तेसु तेसु पासादेसु सविष्समं संचरंति।
(A) महाराष्ट्री (B) शौरसेनी (C) पैशाची (D) अर्धमागधी

26. Samrāṭ Khāravela was a King of the dynasty :
सम्राट खारवेल इस वंश का था :
(A) गुप्तवंश (B) राष्ट्रकूट (C) वाकाटक (D) चेदिवंश

27. The following inscription begins with "Namo Arahantānaṁ" :
"नमो अरहंतानं" से इस शिलालेख का प्रारम्भ होता है :
(A) कक्कुक (B) खारवेल (C) समुद्रगुप्त (D) अशोक

28. Ghaṭayāla rock inscription is related with the King :
घटयाल प्रस्तर अभिलेख इस राजा से सम्बद्ध है :
(A) खारवेल (B) अकालवर्ष (C) कक्कुक (D) चन्द्रगुप्त

29. The script of earliest Prākrit inscriptions is :
प्रारम्भिक प्राकृत अभिलेखों की लिपि यह है :
(A) खरोष्ठी (B) ब्राह्मी (C) गुप्त (D) शारदा

30. Samrāṭ Aśoka named his inscriptions as :
सम्राट अशोक ने अपने अभिलेखों को यह संज्ञा दी है :
(A) ब्राह्मी लिपि (B) धम्मलिपि (C) साधुमत (D) धंमचरण

31. This is an example of 'व्यञ्जन लोप' :
यह व्यञ्जन लोप का उदाहरण है :
(A) कोसाम्बी (B) णअरं (C) सुन्देरं (D) जोत्वणं

32. Prākrita Paingalam is a work of the century :
'प्राकृत पैंगलम्' इस शताब्दी की रचना है :
(A) बीसवीं शताब्दी (B) दसवीं शताब्दी (C) चौदहवीं शताब्दी (D) चतुर्थ शताब्दी

33. Pāiyalachhīnāmamālā is composed by :
पाइयलच्छी नाममाला के रचयिता है :
(A) धनपाल (B) धनंजय (C) हेमचन्द्र (D) जिनसेन

34. Ācārya Hemacandra composed the lexicon :
आचार्य हेमचन्द्र ने यह कोश ग्रन्थ लिखा है :
(A) नाममाला (B) देशीनाममाला (C) अमरकोश (D) विश्वलोचनकोश

35. The Āgama council was held here :
आगम-वाचना यहाँ हुई :
(A) मथुरा (B) काञ्ची (C) द्वारका (D) काशी

36. Match the following :
यह सही कथन है :
(i) अर्धमागधी प्राकृत में अकारान्त पुल्लिंग शब्दों के प्रथमा एकवचन में प्राय: सर्वत्र ए प्रत्यय होता है।
(ii) पालि में संयुक्त व्यंजन श का प्रयोग ष के रूप में होता है।
(iii) निया प्राकृत में क्त्वा के स्थान पर तुम्, तूण और त्ता प्रत्यय होते है।
(iv) शौरसेनी प्राकृत में अनादि में विद्यमान त् का द् और थ् का ध् होता है।
(A) (i), (ii), (iii) (B) (iv) (C) (iii) (D) (i), (iv)

37. Acārya Hemacandra composed this - Kāvya :
आचार्य हेमचन्द्र ने इस काव्य की रचना की :
(A) कंसवहो (B) कुमारपालचरित (C) गउडवहो (D) सेतुबन्ध

38. The case-ending in the word 'Bhāṇuṇo' is :
'भाणुणो' में यह विभक्ति है :
(A) प्रथमा (B) षष्ठी (C) सप्तमी (D) द्वितीय

39. The case-ending is used with 'Binā' :
'बिना' के योग में यह विभक्ति होती है :
(A) तृतीया (B) चतुर्थी (C) सप्तमी (D) षष्ठी

40. The case-ending in the word 'Gamaṇīo' is :
'गामणीओ' शब्द में यह विभक्ति है :
(A) द्वितीया एकवचन (B) षष्ठी बहुवचन (C) पंचमी बहुवचन (D) सप्तमी एकवचन

41. Āyārāṅga commences from the chapter named :
आयारांग का प्रारम्भ इस अध्याय से होता है :
(A) लोकसार (B) पिण्डैषणा (C) शस्त्रपरिज्ञा (D) उपधान

42. He is known as 'Kalikālasarvajña' :
उन्हें 'कालिकालसर्वज्ञ' कहा जाता है :
(A) हेमचन्द्र (B) हरिभद्र (C) हाल (D) हरिषेण

43. The subject matter of the Jñānādhikāra of Pravacanasāra is :
प्रवचनसार के ज्ञानधिकार में इसका वर्णन है :
(A) द्रव्य, गुण और पर्याय (B) निश्चय और व्यवहार
(C) आत्मा और ज्ञान का एकत्व तथा अन्यत्व (D) श्रामण्य

44. This book represents 'ardhamāgadhī' language :
यह ग्रन्थ अर्धमागधी भाषा में लिखा गया है :
(A) सेतुबन्ध (B) आचाराङ्गसूत्र (C) कुवलयमालाकहा (D) णायकुमारचरिउ

45. The number of Gāthās in the Dravyasaṅgraha are :
द्रव्यसंग्रह में इतनी गाथाएं है :
(A) 105 (B) 27 (C) 58 (D) 75

46. This is the translation of 'Bāras Karahā vaisanti' :
'बारस करहा वइसन्ति' का अनुवाद है :
(A) बरसात कहर ढा रही है। (B) वर्ष कठिनाई से बीतते हैं।
(C) बच्चे कराह रहे हैं। (D) बारह ऊँट बैठते हैं।

47. This is an example of 'व्यञ्जन लोप' :
यह व्यञ्जन लोप का उदाहरण है :
(A) देवो (B) णेहो (C) कोत्थुहो (D) वच्छो

48. The Kuvalayamālā is composed in the city :
कुवलयमाला की रचना निम्नलिखित नगर में हुई :
(A) जाबालिपुर (B) जयपुर (C) जोधपुर (D) चित्तौड

49. The work of Ācārya Puṣpadanta is :
यह रचना आचार्य पुष्पदन्त की है :
(A) मृच्छकटिक (B) कुवलयमाला (C) णायकुमारचरिउ (D) कुमारपालचरित

50. The Kuvalayamālā can be included into :
कुवलयमाला को हम इस काव्य के अन्तर्गत संयोजित कर सकते है :
(A) गद्यकाव्य (B) महाकाव्य (C) चम्पूकाव्य (D) मुक्तककाव्य

Space For Rough Work